श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

परिवर्तित पाठ्यक्रम (वर्ष 2024 से लागू)

::::: नियमावली :::::

1. प्रारंभिक परीक्षाएँ प्रतिवर्ष व प्रति 6 माह में होनी संभावित है। जो एक वर्ष के अंतराल से परीक्षाएँ देंगे, उनके उत्तीर्णांक 40 होंगे और जो 6 माह के अंतराल से देंगे, उनके उत्तीर्णांक 50 होंगे। जिन प्रश्न-पत्रों को 6 माह के अध्ययन उपरांत ही दिया जा रहा है, उनमें उत्तीर्णांक 50 तथा शेष में उत्तीर्णांक 40 होंगे। जैसे अगर किसी ने मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष (नवंबर-दिसंबर) में भूषण परीक्षा के 4 प्रश्न-पत्र दिए और वे प्रथम व द्वितीय पत्र में उत्तीर्ण हुए, तृतीय व चतुर्थ में उत्तीर्ण नहीं हो पाए, तो पुनः आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष (जून-जुलाई) में कोविद के प्रथम व द्वितीय पत्रों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें 50 अंक व भूषण के तृतीय व चतुर्थ पत्रों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें 40 अंक प्राप्त करने होंगे।
2. भूषण, कोविद, विभाकर में 4-4 प्रश्न-पत्र रखे गए हैं। इन परीक्षाओं को देने का क्रम निम्न प्रकार है –
   - अगर किसी ने भूषण के प्रथम पत्र की परीक्षा दी है तथा शेष 3 प्रश्न-पत्रों की परीक्षा नहीं दी थी या चारों की दी, लेकिन 3 में उत्तीर्ण न हुए तो अगली बार कोविद के प्रथम पत्र की परीक्षा दे पाएँगे, शेष 3 की नहीं। कोविद के प्रथम पत्र की परीक्षा के लिए भूषण के प्रथम पत्र को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
   - यह व्यवस्था प्रारंभिक तीन परीक्षाओं में ही रहेगी। चतुर्थ परीक्षा का कोई भी प्रश्न-पत्र देने के लिए पूर्व 3 परीक्षाओं (भूषण, कोविद, विभाकर) के 4 + 4 + 4 = 12 प्रश्न-पत्रों को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
3. - मनीषी व विशारद में 6-6 प्रश्न-पत्र हैं, जिसमें से प्रथम दो प्रश्न-पत्र देने अनिवार्य हैं। शेष 4 वैकल्पिक प्रश्न-पत्रों में से स्वैच्छिक 2 प्रश्न-पत्रों का चयन किया जा सकता है।
   - मनीषी के 4 वैकल्पिक प्रश्न-पत्रों में जिन 2 प्रश्न-पत्रों की उत्तीर्ण किया जाएगा, विशारद में उनके समानांतर प्रश्न-पत्र दिए जा सकेंगे।
   - यथा- मनीषी के प्रथम 2 अनिवार्य प्रश्न-पत्रों के साथ किन्हीं ने चौथे-छठे वैकल्पिक प्रश्न-पत्र का चयन किया तो चौथा-छठा प्रश्न-पत्र ही दे पाएँगे।
   - विशारद के तीसरे या पाँचवें तक प्रश्न पत्र देने के लिए मनीषी का तीसरा या पाँचवाँ प्रश्न-पत्र क्रमशः उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
   - परीक्षार्थी मनीषी, विशारद में इच्छानुसार 5 या 6 प्रश्न-पत्र भी दे सकते हैं। प्रारंभ की 3 परीक्षाओं में तो एक साथ अधिकतम चार प्रश्न-पत्र ही दिए जा सकते हैं, आगे मनीषी व विशारद में अधिकतम 6 प्रश्न-पत्र भी एक साथ दिए जा सकते हैं।
4. पूर्व पाठ्यक्रमानुसार जिन्होंने मनीषी या विशारद के एक या दो प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण किए हैं, उन्हें पुनः संबंधित परीक्षा के चारों प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण करने होंगे। जिन्होंने तीन प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण कर लिए हैं, उन्हें संबंधित परीक्षा के कोई दो प्रश्न-पत्रों (स्वैच्छिक) उत्तीर्ण करने होंगे।
5. फिलहाल वर्ष में 2 बार परीक्षाएँ होने की संभावना है – (1) मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष में (2) आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में।

6. **आवेदन –** मार्गशीर्ष माह की परीक्षा के आवेदन भाद्रपद सुदी पंचमी तक और आषाढ़ माह की परीक्षा के आवेदन महावीर जयंती तक अपेक्षित रहेंगे।
7. जो विशारद परीक्षा उत्तीर्ण कर लेंगे, वे ही वर्गीकृत परीक्षाओं में प्रवेश ले सकते हैं। (वर्गीकृत विभाग में केवल वर्गीकृत आगम कंठस्थ और चारों वैकल्पिक परीक्षा के लिए यह नियम लागू नहीं है)
8. जिन्होंने पूर्व में ये परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर ली हैं, वे पुनः ये परीक्षा देना चाहें तो दे सकते हैं।
9. आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम व नियमावली में यथावसर संशोधन-संवर्धन भी संभव है।

जैन सिद्धांत भूषण (प्रारंभिक परीक्षा – प्रथम वर्ष)

प्रथम पत्र				
क्र.	**विषय**	**पाठ्यक्रम**	**पुस्तक/प्रकाशक**	**अंक**
1.	श्री दशवैकालिक सूत्र - अध्ययन 1 से 4	कंठस्थ + भावार्थ	श्री दशवैकालिक सूत्रम्	60
2.	श्री दशवैकालिक सूत्र - अध्ययन 5	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	
3.	पुच्छिंसु णं	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	25
4.	उववाई सूत्र की 22 गाथाएँ	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	15
द्वितीय पत्र				
1.	जैन सिद्धांत बत्तीसी	प्रश्नोत्तर सहित (आगम प्रमाण नहीं)	जैन सिद्धांत बत्तीसी	75
2.	कर्मों का परिचय	अध्याय-1 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	25
3.	कर्मबंध के 85 कारण	अध्याय-2 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	
4.	कर्म और आत्मा	अध्याय-3 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	
5.	8 कर्मों की 148 उत्तर प्रकृतियाँ (सिर्फ प्रकृतियों के नाम कंठस्थ)	अध्याय-4 (प्रकृतियों की परिभाषा, टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ, खंड-1	
तृतीय पत्र				
1.	संघीय धारणा	धारणा क्रमांक 1 से 34	नोट्स	30
2.	साधुमार्गी परंपरा के नौ आचार्य जीवन सौरभ		नोट्स	20
3.	सूझता-असूझता	संपूर्ण	नोट्स	50
4.	सचित्त-अचित्त	संपूर्ण	नोट्स	
5.	श्रावक के 21 गुण	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	
6.	तीर्थंकर पद प्राप्ति के 20 बोल	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	

7.	जल्दी मोक्ष जाने के 23 बोल	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	.
8.	वंदना के दोष, कायोत्सर्ग के दोष	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	
	चतुर्थ पत्र			
1.	आध्यात्मिक भजन-1	कंठस्थ	नोट्स	10
2.	दोहे, श्लोक, सूक्तियाँ-1	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	30
3.	श्री उपासकदशांग सूत्र - अध्ययन 1 व 7	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	25
4.	अस्वाध्यायिक	प्रत्याख्यान के पाठ कंठस्थ पेज 21-31	नोट्स	20
5.	प्रत्याख्यान स्वरूप			
6.	आगार स्वरूप			
7.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 18.05.1951 से 29.08.1951	नोट्स	15

जैन सिद्धांत कोविद (प्रारंभिक परीक्षा – द्वितीय वर्ष)

	प्रथम पत्र			
1.	श्री दशवैकालिक सूत्र - अध्ययन 6 से चूलिका 2 तक	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	60
2.	पिछले वर्ष में कंठस्थ आगम	कंठस्थ	नोट्स	20
3.	अमितगति बत्तीसी (संस्कृत)	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	20
	द्वितीय पत्र			
1.	लघु दंडक	परिभाषा सहित	नोट्स	50
2.	गति-आगति	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	गुणस्थानों का परिचय	अध्याय-11 (टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	20
	तृतीय पत्र			
1.	आगम परिचय	परिशिष्ट सहित	आगम परिचय	60
2.	परम कल्याण के 40 बोल	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	यों पायें निर्वाण, श्री प्रताप मुनि ज्ञानालय, बड़ीसादड़ी	25
3.	साधु की 32 उपमाएँ	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	15
4.	ब्रह्मचर्य की 32 उपमाएँ	परीक्षा में 'नंबर से बोल' नहीं पूछे जाएँगे	नोट्स	

चतुर्थ पत्र				
1.	आध्यात्मिक भजन-2	कंठस्थ	नोट्स	15
2.	दोहे, श्लोक, सूक्तियाँ-2	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	20
3.	ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र - अध्ययन 1, 2, 5, 7, 8, 9, 12, 13, 14 व 16वाँ	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	30
4.	उच्चारण व वर्तनी शुद्धि	संपूर्ण	नोट्स	10
5.	देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण	(भूमिका 1.0, 2.4, 2.5 परिशिष्ट को छोड़कर बाकी पाठ्यक्रम आएगा)	नोट्स	10
6.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 30.08.1951 से 22.06.1965	नोट्स	15

जैन सिद्धांत विभाकर (प्रारंभिक परीक्षा – तृतीय वर्ष)

प्रथम पत्र				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र - (अध्ययन-1, 2, 4, 9, 10, 17)	कंठस्थ + भावार्थ	अ.भा. सुधर्म जैन सं. रं. संघ पूर्ववत्	50
2.	प्रथम व द्वितीय वर्ष के कंठस्थ आगम	कंठस्थ (भावार्थ नहीं)	नोट्स	30
3.	वैराग्यकुलकम्	कंठस्थ + भावार्थ	नोट्स	20
द्वितीय पत्र				
1.	जीवधड़ा	संपूर्ण	नोट्स	30
2.	सम्यक्त्व स्वरूप	अध्याय-12 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	35
3.	जीव के 563 भेदों में सम्यक्त्व	अध्याय-13 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	
4.	चार गति के जीवों में सम्यक्त्व	अध्याय-14 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	
5.	गुणस्थान विस्तार	अध्याय-15 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	35
6.	गुणस्थान स्वरूप	टिप्पणी सहित	नोट्स	
तृतीय पत्र				
1.	तत्त्वार्थ सूत्र - अध्ययन 1 से 10	कंठस्थ + भावार्थ + विवेचन - पृष्ठ 1 से 240	कंठस्थ - स्वाध्याय माला, भावार्थ + विवेचन - पं. सुखलाल संघवी, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी	55
2.	जैन इतिहास	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	काल गणना	संपूर्ण	नोट्स	15

चतुर्थ पत्र				
1.	प्रश्नव्याकरण, संवर द्वार	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	25
2.	लोक स्वरूप	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	कर्म प्रज्ञप्ति-2, आधार ग्रंथ, अध्याय 1 से 5	(टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं)	आगम-अहिंसा-समता एवं प्राकृत संस्थान	20
4.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 23.06.1965 से 20.03.1967	साधुमार्गी पब्लिकेशन	25
5.	आध्यात्मिक भजन-3	कंठस्थ	नोट्स	

जैन सिद्धांत मनीषी (प्रारंभिक परीक्षा – चतुर्थ वर्ष)

प्रथम पत्र				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र - अध्ययन 1 से 20	कंठस्थ + भावार्थ	अ.भा. सुधर्म जैन सं. र. संघ पूर्ववत्	100
द्वितीय पत्र				
1.	श्रमण सामाचारी	संपूर्ण	नोट्स	75
2.	श्री दशाश्रुतस्कंध सूत्र	भावार्थ (विवेचन नहीं)	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	25
(श्रावक वर्ग हेतु)				
1.	श्री दशाश्रुतस्कंध सूत्र	भावार्थ + विवेचन	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	50
2.	कल्प मर्यादा	संपूर्ण	साधुमार्गी पब्लिकेशन	50
3.	साधुमार्गी संकल्प सूत्र	संपूर्ण	साधुमार्गी पब्लिकेशन	
तृतीय पत्र (वैकल्पिक)				
1.	काय स्थिति का थोकड़ा	संपूर्ण	नोट्स	45
2.	102 बोलों की अल्प बहुत्व	(बासठिया परीक्षा में नहीं)	नोट्स	25
3.	पिछले तीन वर्षों के थोकड़े	पूर्ववत्	पूर्ववत्	30
चतुर्थ पत्र (वैकल्पिक)				
1.	रचनानुवाद कौमुदी (संस्कृत व्याकरण)	पाठ 1 से 30	कपिल देव त्रिवेदी, वाराणसी	50
2.	अभिवन गुण सिद्ध हेम प्राकृत पाठ श्रेणी (प्राकृत व्याकरण)	भूमिका, पाठ 1 से 16 - पेज 1 से 125 तक	गुणोदय फाउंडेशन	50
पंचम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	अध्याय 1-31 टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-1, प्रवेश ग्रंथ	100

पष्ठम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	सम्यक् अनुशासनम् (दिगंबर, मूर्तिपूजक व तेरापंथ मत का निरसन)	संपूर्ण	नोट्स	25
2.	प्रारंभिक न्याय दर्शन (पूर्वार्ध)	संपूर्ण	नोट्स	25
3.	वैराग्य दीप	संपूर्ण	अरुण जैन (सांड)	30
4.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 21.03.1967 से 22.06.1969	साधुमार्गी पब्लिकेशन	20
5.	आध्यात्मिक भजन-4	कंठस्थ	नोट्स	

नोट - प्रारंभिक न्याय दर्शन (पूर्वार्ध व उत्तरार्ध) में नय, निक्षेप, प्रमाण, लक्षण, अनुमान के पाँच अंग (प्रतिज्ञा, हेतु, दृष्टांत, उपनय, निगमन) सप्तभंगी, स्याद्वाद, अनेकांतवाद आदि विषय हैं।

जैन सिद्धांत विशारद (प्रारंभिक परीक्षा – पंचम वर्ष)

प्रथम पत्र (अनिवार्य)				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र (अध्ययन 21 से 36)	कंठस्थ + भावार्थ	अ.भा. सुधर्म जैन सं. रं. संघ पूर्ववत्	100
द्वितीय पत्र (अनिवार्य)				
1.	सामायिक सूत्र	सार्थ-कंठस्थ (विधि नहीं)	साधुमार्गी पब्लिकेशन	25
2.	श्रमण प्रतिक्रमण	सार्थ-कंठस्थ (विधि नहीं)	नोट्स	25
3.	व्युत्पत्ति संग्रह		नोट्स	20
4.	प्रवचन स्वाध्याय आदि लेख		नोट्स	30
तृतीय पत्र (वैकल्पिक)				
1.	गमक का थोकड़ा आगम स्तोक मंजूषा-7	संपूर्ण	नोट्स	60
2.	98 बोल का अल्प बहुत्व	(बासठिया परीक्षा में नहीं)	नोट्स	20
3.	तत्त्व का ताला ज्ञान की कुँजी, भाग-1 के सामान्य ज्ञान विभाग के थोकड़े	जयंती बाई की पृच्छा' से समकित के 67 बोल' तक	नोट्स	20
चतुर्थ पत्र (वैकल्पिक)				
1.	रचनानुवाद कौमुदी (संस्कृत व्याकरण)	पाठ 31 से 60	कपिल देव त्रिवेदी, वाराणसी	50
2.	अभिवन गुण सिद्ध हेम प्राकृत पाठ श्रेणी (प्राकृत व्याकरण)	पाठ 17 से 31 तक परिशिष्ट क्रमांक 4, 5, 7, 8 व 11	गुणोदय फाउंडेशन	50

पंचम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	योग स्वरूप	टिप्पणी, परिशिष्ट नहीं	कर्म प्रज्ञप्ति-2, आधार ग्रंथ, खंड-2	100
2.	मार्गणाओं में प्रकृति बंध स्वामित्व			
3.	उपशमक श्रेणी (संक्षिप्त वर्णन)			
4.	क्षपक श्रेणी (संक्षिप्त वर्णन)			
षष्ठम पत्र (वैकल्पिक)				
1.	The Right Path (हिंदी) (श्रीमद्रायचंद्र, दादा भगवान, ओशो, ब्रह्मकुमारी, कान जी स्वामी, ईसाई, मुस्लिम मत का निरसन इत्यादि)	संपूर्ण	साधुमार्गी पब्लिकेशन	30
2.	प्रारंभिक न्याय दर्शन (उत्तरार्ध)	संपूर्ण	नोट्स	30
3.	शान्त-सुधारसः	(श्लोक कंठस्थ नहीं)	साधुमार्गी पब्लिकेशन	20
4.	गहरी पर्त के हस्ताक्षर	दिनांक 29.06.1969 से 30.09.1977	साधुमार्गी पब्लिकेशन	20
5.	आध्यात्मिक भजन-5	कंठस्थ	नोट्स	

वैकल्पिक स्तोक परीक्षा

प्रथम पत्र (जैन स्तोक भूषण)				
क्र.	**विषय**	**पाठ्यक्रम**	**पुस्तक/प्रकाशक**	**अंक**
1.	जैन स्तोक मंजूषा भाग-1			75
2.	जैन सिद्धांत बत्तीसी (परिभाषा सहित)			25

द्वितीय पत्र (जैन स्तोक कोविद)				
1.	जैन स्तोक मंजूषा भाग-2			100

तृतीय पत्र (जैन स्तोक विभाकर)				
1.	कर्म प्रज्ञपित-2 आधार ग्रंथ (अध्याय 1-5)			25
2.	जैन स्तोक मंजूषा भाग-3			75

जैन स्तोक मनीषी (चतुर्थ पत्र)					
1.	जैन स्तोक मंजूषा भाग-4				100

जैन स्तोक विशारद (पंचम पत्र)				
1.	सर्वबंध, देशबंध का थोकड़ा			20
2.	गांगेय अणगार के भंगों का थोकड़ा			
	गमक का थोकड़ा			

वैकल्पिक कंठस्थ परीक्षा

जैन आगम कंठस्थ भूषण				
क्र.	**विषय**	**पाठ्यक्रम**	**पुस्तक/प्रकाशक**	**अंक**
1.	दशवैकालिक सूत्र (चूलिका सहित)	कंठस्थ	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	85
2.	पुच्छिस्सु णं कंठस्थ			10
3.	उववाई सूत्र की 22 गाथाएँ कंठस्थ			5

जैन आगम कंठस्थ कोविद

(वैकल्पिक कंठस्थ द्वितीय)				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र	अध्ययन 1-20 कंठस्थ	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	100

जैन आगम कंठस्थ विभाकर

(वैकल्पिक कंठस्थ तृतीय)				
1.	श्री उत्तराध्ययन सूत्र	अध्ययन 21-36 कंठस्थ	आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	100

जैन आगम कंठस्थ मनीषी

(वैकल्पिक कंठस्थ चतुर्थ)				
1.	नंदी सूत्र, कंठस्थ		आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	65
2.	सुख विपाक सूत्र कंठस्थ		आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	10
3.	प्रश्न व्याकरण संवरद्वार कंठस्थ		आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	25

जैन आगम कंठस्थ विशारद

(वैकल्पिक कंठस्थ पंचम)				
1.	आचारांग प्रथम श्रुत स्कंध कंठस्थ		आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	70
2.	अंतगडसूत्र कंठस्थ		आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर	30

ज्ञातव्य :- इन पाँचों में से एक वर्ष में एक ही पत्र दिया जा सकता है।

वैकल्पिक संस्कृत प्राकृत परीक्षा

जैन संस्कृत प्राकृत-भूषण (वैकल्पिक संस्कृत प्राकृत - प्रथम)				
क्र.	विषय	पाठ्यक्रम	पुस्तक/प्रकाशक	अंक
1.	वर्णमाला			5
2.	वाक्यव्यवहार			35
3.	वाक्यविस्तरः			30
4.	सम्भाषणम्			25
5.	परिशिष्टम्			5

जैन संस्कृत प्राकृत-कोविद (वैकल्पिक संस्कृत प्राकृत - द्वितीय)				
1.	व्यवहार प्रदीप (प्रथम भागः)			45
2.	व्यवहार प्रदीप (द्वितीय भागः)			45
3.	परिशिष्टम्			10

जैन संस्कृत प्राकृत-विभाकर (वैकल्पिक संस्कृत प्राकृत - तृतीय)				
1.	रचनानुवाद कौमुदी (1 से 30 पाठ)			50
2.	अभिनव गुण सिद्ध हेम प्राकृत पाठ श्रेणी (भूमिका पाठ 1 से 16 पृष्ठ 1 से 125 तक)			50

जैन संस्कृत प्राकृत-मनीषी (वैकल्पिक संस्कृत प्राकृत - चतुर्थ)				
1.	रचनानुवाद कौमुदी (31 से 80 पाठ)			50
2.	अभिनव गुण सिद्ध हेम प्राकृत पाठ श्रेणी (भूमिका पाठ 1 से 31 परिशिष्ट 4,5,7,8 एवं 11 तक)			50

जैन संस्कृत प्राकृत विशारद

क्र.	विषय	पाठ्यक्रम	पुस्तक/प्रकाशक	अंक
1.	भर्तृहरि नीति शतकम् (पूर्वाद्धम्)	संस्कृत स्वाध्याय (चतुर्थी दीक्षा) (व्याकरणिक विश्लेषण सहित)	राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्, दिल्ली	35
2.	भक्तामर स्तोत्र			35
3.	दशवैकालिक सूत्र चयनिका	डॉ. कमल चन्द्र सोगाणी	प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर	30

वैकल्पिक हिन्दी परीक्षा (राष्ट्र भाषा भूषण)

(वैकल्पिक हिन्दी - प्रथम)				
1.	आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना (अध्याय 1 से 9)	लेखक डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद	भारती भवन, घटना	100

राष्ट्र भाषा कोविद

(वैकल्पिक हिन्दी - द्वितीय)				
1.	आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना (अध्याय 10 से 22)	लेखक डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद	भारती भवन, घटना	100

राष्ट्र भाषा-विभाकर

(वैकल्पिक हिन्दी - तृतीय)				
1.	अच्छी हिन्दी प्रकरण (1 से 8)	लेखक - रामचन्द्र वर्मा	लोक भारती प्रकाशन	100

राष्ट्र भाषा-मनीषी

(वैकल्पिक हिन्दी - चतुर्थ)				
1.	अच्छी हिन्दी प्रकरण (9 से 16)	लेखक -रामचन्द्र वर्मा	लोक भारती प्रकाशन	70
2.	पूज्याचार्य	लेखक - माणक चंद जी रामपुरिया	कलासन प्रकाशन, बीकानेर	30

राष्ट्र भाषा विशारद

(वैकल्पिक हिन्दी - पंचम)				
1.	जयद्रथ वध	लेखक - राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान		45
2.	गद्य-पद्य संग्रह- कक्षा-11			
3.	हिन्दी में कविता रचना निबंध लेखन आदि			35 20

32 आगम कंठस्थ परीक्षा

(जैन वाङ्मय सरोवर)

(32 आगम कंठस्थ – प्रथम चरण)				
क्र.	**विषय**	**पाठ्यक्रम**	**पुस्तक/प्रकाशक**	**अंक**
1.	श्री आवश्यक सूत्र, श्री दशवैकालिक सूत्र, श्री उत्तराध्ययन सूत्र, श्री नंदी सूत्र, श्री अनुतरौपपातिक सूत्र, श्री विपाक सूत्र, श्री निरयावलिका सूत्र पंचक, श्री आचारांग सूत्र, श्री दशाश्रुत स्कंध, श्री प्रश्न व्याकरण सूत्र, (कंठस्थ)			80

जैन वाङ्मय निर्झर

(32 आगम कंठस्थ – द्वितीय चरण)				
1.	श्री अनुयोगद्वार सूत्र, श्री औपपातिक सूत्र, श्री राजप्रश्नीय सूत्र, श्री जीवाजीवाभिगम सूत्र, श्री जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति सूत्र, श्री सूत्रकृतांग सूत्र, श्री स्थानांग सूत्र, श्री ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र (कंठस्थ)			80
2.	'जैन वाङ्मय सरोवर' परीक्षा में कंठस्थ किए हुए सोर नियम			20